दिनांकः 04.06.2023
समय : 09:00 ए.एम.
प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर से

मुख्य समाचार

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ओडिशा के बालासोर रेल हादसे की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिये– बचाव अभियान में लगी एजेंसियों और लोगों के प्रयासों की सराहना की।
- केन्द्रीय वन राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा– केन्द्र सरकार देश में व्यापार और उद्योग को बढावा देने के लिए प्रतिबद्ध।
- केन्द्र सरकार ने फिक्स डोज कॉम्बिनेशन वाली 14 दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई।
- प्रदेश में पिछले 24 घंटों में विभिन्न स्थानों पर तेज हवाओं के साथ बारिश हुई।

ओडिशा के बालासोर में बहनागा रेल दुर्घटना स्थल पर मरम्मत का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसमें एक हजार से अधिक कर्मचारी दिन–रात जुटे हैं। रेल मंत्रालय के अनुसार सात से अधिक पोकलेन मशीनें, दो दुर्घटना राहत ट्रेनें, चार सड़क रेलवे वाहनों और सुरक्षा क्रेनों को मरम्मत के काम में लगाया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बचाव अभियान में शामिल एजेंसियों और लोगों के प्रयासों की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने अपने ट्वीट संदेश में कहा कि वे रेलवे की टीमों, राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, ओडिशा डिजास्टर रैपिड एक्शन फोर्स, स्थानीय अधिकारियों, पुलिस, अग्निशमन सेवा और स्वयंसेवकों की सराहना करते हैं। इसके अलावा वे सभी जो जमीन पर अथक परिश्रम कर रहे हैं और बचाव अभियान को मजबूती प्रदान कर रहे हैं। उनकी भी वे सराहना करते हैं। श्री मोदी ने कहा, उन्हें इन सभी के समर्पण पर गर्व है।

प्रधानमंत्री ने कहा, प्रतिकूल परिस्थितियों में देश के लोगों द्वारा दिखाया गया साहस और करुणा वास्तव में प्रेरणादायक है। श्री मोदी ने कहा कि उन्हें ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना पर विश्व नेताओं के शोक संदेश भी प्राप्त हुये हैं। नेताओं के करुणा भरे शब्दों से शोक संतप्त परिवारों को शक्ति मिलेगी। श्री मोदी ने विश्व नेताओं के समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

इससे पहले प्रधानमंत्री ने दुर्घटना की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए। नई दिल्ली में एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करते हुये उन्होंने स्थिति की समीक्षा की। श्री मोदी ने कहा कि घटना के लिये जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। बैठक में प्रभावित लोगों के बचाव, राहत और चिकित्सा के पहलुओं पर चर्चा की गई। इसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, कैबिनेट सचिव राजीव गौबा, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा, केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला, एनडीआरएफ प्रमुख एस. एन. प्रधान और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल रेल दुर्घटना स्थल पर जाकर स्थिति का जायजा भी लिया। उन्होंने रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। वे फकीर मोहन मेडिकल कॉलेज तथा अस्पताल में भर्ती घायलों से भी मिले और उनका हालचाल जाना। प्रधानमंत्री के साथ रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव और केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान भी थे।

प्रधानमंत्री के निर्देश पर केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मांडविया आज रेल दुर्घटना में घायलो को दी जा रही सहायता की समीक्षा करेंगे। वे भुवनेश्वर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और कटक के एससीबी मेडिकल कॉलेज का भी दौरा करेंगे।

इस बीच, रेल दुर्घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर दो सौ 88 हो गई है।

दक्षिण–पूर्व रेलवे की एक आंतरिक निरीक्षण रिपोर्ट में कहा गया है कि शालीमार–चेन्नई कोरोमंडल एक्सप्रेस को चेन्नई की ओर जाने वाली मुख्य लाइन पर जाने का संकेत मिला था, लेकिन यह गलती से लूप लाइन की ओर मुड़ गई। लूप लाइन में जाना मानवीय इंटरफेस की वजह से हो सकता है।
रेलवे अधिकारियों की प्रारंभिक जांच में कहा गया है कि ऐसा या तो त्रुटि या लापरवाही के कारण हुआ। यह रेल दुर्घटना, पिछले दो दशकों में देश की सबसे बड़ी रेल दुर्घटनाओं में से एक बताई जा रही है।

ओडिशा में ट्रेन दुर्घटना के मद्देनजर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने एयरलाइन कंपनियों को भुवनेश्वर आने और जाने वाली उड़ानों के किराए में असामान्य वृद्धि पर नजर रखने की सलाह दी है। मंत्रालय ने सभी एयरलाइन कंपनियों को किराया नहीं बढ़ाने को लेकर एडवाइजरी जारी की है। इसके अलावा, मंत्रालय ने सभी एयरलाइनों को भुवनेश्वर के लिए पुनर्निर्धारण और कैंसिलेशन के लिए कोई शुल्क नहीं लेने की सलाह दी है।

केन्द्रीय वन राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि केन्द्र सरकार देश के विकास के लिए व्यापार और उद्योग को बढावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। कोटा दौरे पर आये केन्द्रीय मंत्री ने कल व्यापार और उद्योग जगत के साथ संवाद कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने कहा कि उद्योग को बढ़ावा देने के लिए अव्यवहारिक नियमों का सरलीकरण किया जाएगा। श्री चोबे ने कहा कि सबका साथ और सबका विश्वास केन्द्र सरकार का मुख्य ध्येय है। इससे पहले व्यापारियों ने श्री चौबे को विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया।

केन्द्र सरकार ने फिक्स डोज कॉम्बिनेशन वाली 14 दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन दवाओं में निमेसुलाईड, पैरासिटामोल मिश्रण, एमॉक्सिलिन और ब्रोमेक्सिन मिश्रण तथा फोल्कोडिन और प्रोमेथाजिन मिश्रण वाली दवाएं शामिल हैं। इन दवाओं का इस्तेमाल खांसी, सामान्य संक्रमण, बुखार और शरीर में दर्द के उपचार के लिए किया जाता है। सरकार का कहना है कि इन दवाओं में उपचारात्मक कमी पाई गई है और इनसे स्वास्थ्य को खतरा पैदा हो सकता है। सरकार ने अधिसूचना जारी कर कहा कि निर्धारित खुराक वाली इन दवाओं के विनिर्माण, बिक्री और वितरण पर व्यापक जनहित में प्रतिबंध लगाना जरूरी है।

प्रदेश में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं में दुपहिया वाहन चालकों और सवारी की होने वाली मृत्यु में कमी लाने के लिये कल आयोजित एक दिवसीय सघन अभियान में 37 हजार 771 दुपहिया वाहन चालकों का चालान किया गया। अतिरिक्त महानिदेशक यातायात वी के सिंह ने बताया कि राज्य स्तर पर जयपुर रेंज में 8 हजार 1, बीकानेर रेंज में 4 हजार 712, भरतपुर रेंज में 3 हजार 642, अजमेर रेंज में 3 हजार 976, उदयपुर रेंज में 5 हजार 352, जोधपुर रेंज में 4 हजार 378, कोटा रेंज में 4 हजार 872, जयपुर कमिश्नरेट में 4 हजार 673 दुपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई।

उन्होंने कहा कि अभियान में आमजन का व्यापक सहयोग मिला और अधिकांश वाहन चालक यातायात नियमों का पालन करते हुए मिले। श्री सिंह ने भीषण गर्मी के बावजूद यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा प्रदेश भर में किए गए अच्छे कार्यों की सराहना की। उन्होंने सभी दुपहिया वाहन चालकों को स्वयं की सुरक्षा के लिये अनिवार्य रूप से उपयुक्त गुणवत्ता का हेलमेट पहनने का आग्रह किया।

प्रदेश में पिछले 24 घंटों में तेज हवाओं के साथ विभिन्न स्थानों पर बारिश और कुछ एक स्थानों पर ओलावृष्टि हुई। जालौर जिले में दोपहर में तेज गर्मी के बाद रात को आंधि चली और रूक–रूककर बारिश हुई। बीकानेर में भी दिनभर की भीषण गर्मी के बाद शाम को आंधी का दौर चला। जिससे जनजीवन प्रभावित हुआ। डूंगरपुर में हल्की बारिश हुई। भरतपुर में कल तेज बरसात हुई। जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिली। बाड़मेर में भी देर रात शुरू हुआ धूलभरी आंधी का दौर आज सुबह तक जारी रहा। ज़िले के कई इलाक़ों में तेज हवाओं और मेघ गर्जन के साथ मध्यम से तेज़ बरसात हुई। इस बीच बिजली आपूर्ति बाधित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। करौली में भी बिजली चमकने के साथ कहीं–कहीं बरसात हुई। वहीं बारां में तेज आंधी के बाद हल्की बूंदाबांदी हुई। झालावाड़ में भी देर रात मौसम में बदलाव आया और हल्की बरसात हुई। कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति में रूकावट

आई। भीलवाड़ा में तेज हवाओं के साथ बरसात हुई। हमारे संवाददाता ने बताया कि कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि भी हुई है।

भारतीय पहलवानों ने कल बिश्केक में आयोजित यू.डब्ल्यू.डब्ल्यू. रैंकिंग सीरीज प्रतियोगिता में तीन पदक जीते। इस प्रतियोगिता में मनीषा ने स्वर्ण, रीतिका ने रजत और सरिता मोर ने कांस्य पदक जीता। मनीषा ने 65 किलोग्राम भार वर्ग में अपने प्रदर्शन को सुधारते हुए स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इस सीरीज में भारत ने कुल चार पदक जीते। इनमें एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक शामिल हैं। इससे पहले मंजीत ने पुरुष वर्ग के ग्रीको रोमन स्टाइल के 55 किलोग्राम भार वर्ग में गुरुवार को कांस्य पदक जीत कर इस सीरीज में भारत का पदक खाता खोला था।